आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड 3rd रैंक

28, फरवरी, 2021 तक भारत में स्मार्ट सिटी रैंकिंग

स्मार्ट सिटी कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर ने काटे 8 करोड़ के चालान। रोजाना 14000–15000 लोग कर रहे ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन।

ट्रैफिक नियमों उल्लंघन पर रू. 8 करोड़ के चालान काटे।

आगरा में रोजाना 14000–15000 लोक रेड लाइट जम्प कर रहे हैं। यह गतिविधि नगर निगम परिसर में स्थित आगरा स्मार्ट सिटी लि0 के कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर में देखी जा सकती है। इसके साथ ही ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर रू0 8 करोड़ के चालान भी कट चुके हैं। स्मार्ट सिटी के आंकड़ों के मुताबिक दिसम्बर 2020 तक करीब रू0 7 करोड़ के चालान कर दिये गये थे। स्मार्ट सिटी के कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर लॉकडाउन के दौरान अप्रैल, मई में करीब 800 चालान किये गये, जिसमें बिना हैल्मेट, ट्रिपलिंग, रेड लाइट जम्प, ऐक्सेस स्पीड के प्रतिदिन 400 से अधिक चालान हो रहे हैं। स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से करीब 30 प्रकार के ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करन पर सख्ती की जा रही है। कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर से मिली लोकेशन के हिसाब से लोहामण्डी चौराहा, बोदला चौराहा, मारूति स्टेट, वजीरपुरा, जीवनी मण्डी चौराहा, बेलनगंज चौराहा, ईदगाह बस स्टेण्ड, रामबाग चौराहा और सुल्तानगंज की पुलिया पर सबसे ज्यादा ट्रैफिक नियम तोड़े जाते हैं।

ताजनगरी की महिलायें बनी स्मार्ट, उनकी कारीगरी अब गूगल पर

ताजनगरी की महिलायें माइक्रो स्किल डवलेपमेंट के तहत सेल्फ हैल्प ग्रुप के एमएसडीसी ऐप की मदद से विदेशों तक अपनी कारीगरी का लोहा मनवा रही हैं। स्मार्ट सिटी की तरफ से इस ऐप को लांच किया गया था। ताजनगरी में जरदोजी, पत्थरों की नक्कासी, कार्पेट जैसी ऐतिहासिक कलाओं को निखारने के लिए इन महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया था। अब यह महिलायें गूगल प्ले तक पहुँचकर सशक्त बन रही हैं।

27000 लोगों को मिला हैल्थ सेंटर का लाभ।

स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत जहाँ एक ओर शहर को स्मार्ट बनाया जा रहा है वहीं दूसरी ओर स्मार्ट आगरा को स्मार्ट इलाज सस्ती और बेहतर दरों पर उपलब्ध कराया जा रहा है। नगर निगम परिसर में हैल्थ सेंटर आम लोगों के लिए आर्थिक रूप से बेहतर इलाज साबित हो रहा है। आम जनता को कम दरों पर बेहतर इलाज उनके घर के आस–पास ही मिले, इसके लिए स्मार्ट सिटी की ओर से 03 हैल्थ सेंटर का शुभारंभ किया जा रहा है। शुरूआत रिंग रोड से की जा रही है, जिसमें आस–पास की जनता को स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं से निजात कम दरों पर मिल सकेगी। यह जानकारी स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने दी। उन्होने बताया कि पिछले एक वर्ष में 27000 लोगों ने सुविधायें ली है, जिसमें 5500 लोगों ने फ्री आँखों की जांच, 1020 लोगों ने डॉक्टर से परामर्श, 20000 लोगों ने पैथोलॉजी, फार्मेसी एवं ऑप्टीकल पर सुविधाओं का लाभ लिया।

स्मार्ट सिटी ने किसानों को नहीं होने दिया नुकसान।

नगर निगम परिसर में स्थित स्मार्ट सिटी कार्यालय के सभागार में बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें स्मार्ट सिटी के तहत चल रहे कार्यों को लेकर गहन मंथन किया गया। कई अहम प्रस्ताव भी पारित किये गये। मण्डलायुक्त, आगरा ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि स्मार्ट सिटी के तहत होने वाले कार्यों के चलते आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। संबंधित अधिकारी और कार्यदायी संस्थायें इसका विशेष ध्यान रखें। जिन ग्रामीणों को स्मार्ट सिटी के कार्यों के तहत अगर फसल से संबंधित नुकसान हो रहा है तो उनको मुआवजा दिया जायेगा। इसके साथ ही अवैध कब्जों से मुक्त कराकर कार्यों को कराया जाये। उन्होने इस संबंध में जिलाधिकारी से मंथन किया।

स्मार्ट सिटी ने स्मार्ट बनाया, ई–कॉमर्श का सफर तय किया इन्होने।

ताजगंज क्षेत्र के पास जरदोजी पच्ची. कारी एवं गलीचे की सिद्ध हस्त महिलाओं का 2 वर्ष पूर्व स्वंय सहायता समूह बनाया गया। इससे बड़ी संख्या में महिलायें जुड़ीं। इन्ही में से एक थी बसई खुर्द निवासी भारती। पड़ोसियों के साथ वह भी आलोक सर से जुड़ गयीं। जो कि एसएचजी की पेशकश लेके आये थे। उनका हस्तशिल्प इतना पसंद आया कि एसएचजी के वारे–न्यारे हो गये। भारती के हिस्से में अच्छी आय आने लगी। उनका कहना है कि आगरा में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। बस तैयार सामान को अच्छा बाजार मिलना चाहिए। यह काम ई–कॉमर्श की बदौलत होने लगा। स्मार्ट सिटी की इस परियोजना में न सिर्फ बाजार के अनुरूप सामान बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है बल्कि हस्तशिल्पियों को यह भी सिखाया जाता है कि वह अपने उत्पाद के लिए खरीददार कैसे खोंजे।

फरवरी 2021

आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड 3rd रैंक

28, फरवरी, 2021 तक भारत में स्मार्ट सिटी रैंकिंग

जागरूक संदेश

मास्क लगायें, बार–बार हाथ धोयें, सैनिटाईजर का प्रयोग करें तथा सोशल डिस्टैसिंग का पालन करें।

मण्डलायुक्त, आगरा ने कराई जांच, कहाः बैहतर है स्मार्ट हैल्थ सेंटर।

मण्डलायुक्त, आगरा ने शनिवार को नगर निगम में स्थित, कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर एवं स्मार्ट हैल्थ सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होने नगर निगम की स्मार्ट पैथोलॉजी में खून की जांच करायी। इस सुविधा को जनता के लिए बैहतर बताया। हैल्थ सेंटर पहुँचकर उन्होने अत्यधिक तकनीक मशीनों की जानकारी ली। उन्होने स्मार्ट सिटी की इस योजना को सबसे बैहतर बताया। उनका कहना था कि आम जनता के लिए सस्ता और अच्छा विकल्प इससे बैहतर नहीं हो सकता। उन्होने जांचों के विषय में पूछताछ की तथा जांच के लिए अपने खून का सैम्पल भी दिया। इस दौरान नगर आयुक्त निखिल टीकाराम फुंडे, अपर नगर आयुक्त के0बी0 सिंह, धर्मवीर गुप्ता, आर0के0 सिंह, आनन्द मैनन आदि मौजूद रहे।

स्मार्ट सिटी की पाइप लाइन का अलाइनमेंट बदला।

स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत जीवनी मंडी वाटर वर्क्स से ताजगंज जोनल पंपिंग स्टेशन तक बिछायी जा रही 1200 एमएम डाया की पाइप लाइन को लेकर शुक्रवार को मंथन हुआ। मुख्य कार्यकारी अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की अध्यक्षता में हुयी बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि यमुना नदी के डूब क्षेत्र के प्रतिबन्धित निवासियों को होने वाली परेशानियों की आशंका पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को बैठक में बुलाया गया। जल निगम के अधिकारियों ने बताया कि पाइप लाइन के संबंध में कुल दिन पूर्व एन0जी0टी0 से अनुमति मांगी थी। इस पर एन0जी0टी0 ने स्पष्ट कर दिया कि पाइप लाइन के संबंध में पर्यावरण से संबंधित अगर कोई बिन्दु है तो एन0जी0टी0 से संपंर्क करें तथा अपने स्तर से संबंधित विभाग कार्य करें। बैठक में तय हुआ कि सिंचाई विभाग डूब क्षेत्र के मानचित्र के आधार पर निर्धारित करके बतायें, जहाँ पाइप लाइन को प्रस्तावित किया जा रहा है।, वह डूब क्षेत्र है कि नहीं।

पर्यावरण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने किया निरीक्षण।

स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत फतेहाबाद रोड पर रिहैबिलिटेशन ऑफ मेजर रोड परियोजना के तहत विकास, जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण का कार्य का पर्यावरण बोर्ड की टीम ने निरीक्षण किया। इं0 दीपक कुमार ने कहा कि परियोजना के तहत सड़कों पर हो रहे कार्यों के विषय में अच्छे से कार्य किया जाये। साथ ही रोड से खुदाई के समय ग्रीन नेट नहीं हटना चाहिए। हालांकि जहां पर कार्य हो रहे थे, वहां पर ग्रीन नेट लगे हुए थे। टीम ने कहा कि खुदाई के बाद पानी का ज्यादा छिड़काव नहीं करना चाहिए। मिट्टी गीली होने पर वाहनों के पहियों पर चिपकती है एवं फिर रोड पर धूल के कण उत्पन्न होते हैं जो प्रदूषण का कारण बनते हैं। इस दौरान संजय उपाध्याय, मृत्युंजय पाण्डे, अमन पाराशर, विनय तिवारी और टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

स्मार्ट सिटीः परियोजनाओं पर तेजी होगा काम।

आगरा स्मार्ट सिटी लि0 के परियोजना से संबंधि मामले अन्य शहरों से बेहतर स्थिति में है। प्रगति के मामले में शहर देश के चौथे स्थान पर है। केन्द्र सरकार के वित्त वर्ष 2021–22 के बजट से स्मार्ट सिटी के कार्यों को और गति मिलेगी। शहरी विकास के लिए तमाम योजनाओं की घोषणा की है। इसका लाभ उन शहरों को मिलेगा जिनका चयन स्मार्ट सिटी के लिए किया गया। आगरा पहले ही बेहतर स्थिति में है। स्मार्ट सिटी के एरिया बेस्ड डेवलेपमेंट के तहत ताजमहल के आस–पास 9 वार्ड, 5 गांव तथा छावनी क्षेत्र में भी कार्य किया जायेगा। महापौर नवीन जैन का कहना है कि सरकार ने प्रगतिवादी बजट पेश किया है। सभी वर्गों का ख्याल रखा है। विशेषकर सरकार का विकास योजनाओं का पूरा ध्यान है। सरकार ने शहरी विकास को लेकर बड़े बजट की व्यवस्था की है, इससे साफ है कि स्मार्ट सिटी की योजनाओं में धान की कमी नहीं रहेगी। पिछले एक वर्ष में कोविड की वजह से विकास की रफ्तार मंद हो गयी थी। लेकिन यह बजट विकास को रफ्तार देगा।

ज्ञान श्रृंखला

स्मार्ट सिटी के तहत शहर में जो विकास कार्य किये जा रहे हैं, वह सराहनीय हैं। जैसे– स्किल डेवलेपमेंट, नगर निगम के स्कूलों का जीर्णोद्धार आदि परियोजनायें आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं और छात्रों को सीधा लाभ पहुँचायेंगी। मैं स्मार्ट सिटी से यह कहना चाहूँगी कि आगरा की आधी आबादी को भी इसमें शामिल किया जाये, जिससे वह भी अपने शहर की जिम्मेदारी समझे। कई महिला संगठन, क्लब, शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य पर काम कर रहे हैं। अगर उसमें वे जुड़ते हैं तो स्मार्ट सिटी में उनकी सहभागिता हो सकती है।

मधु बघेल